लिया है । कम्पनी ने कई समाचार पत्रों ने भी जब्ती नोटिस प्रकाशित किया । कम्पनी अधिनियम, 1956 कम्पनी कार्य विभाग को यह शक्ति प्रदान नहीं करता है कि वह किसी कम्पनी को प्रभावित व्यक्ति के लिये जब्ती आदेश निरस्त कर दे और शेयरों का पुनःनिर्गमित करें ।

कृषि-ऋणों पर ब्याज दर

2640. श्री राम गोपाल यादव : क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि राष्ट्रीयकृत बैंकों द्वारा दिये जाने वाले कृषि ऋण पर लगने वाले ब्याज की दर को प्रति वर्ष बढ़ाया जाता हैं ;

(ख) यदि हां, तो पिछले तीन वर्षों के दौरान उपरोक्त ऋण पर लगने वाले ब्याज की दर का वर्ष वार ब्यौरा क्या है ;

(ग) क्या ब्याज दर में उपरोक्त वृद्धि के कारण इस तरह के ऋण लेने वाले किसानों की संख्या में कमी आई है; और

(घ) यदि हां, तो क्या सरकार उपरोक्त ब्याज दर को घटाने पर विचार कर रही है ।

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री और संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० अबरार अहमद) : (ग) जी, नहीं । ब्याज दरों को ऋणों के आकार के साथ जोड़ा जाता है, न कि किसी क्षेत्रीय गतिविधि के साथ । उधार दर संरचना का निर्धारण अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर, मुद्रास्फीति की दर, मौद्रिक प्रसार की गति, बैंकों द्वारा संसाधन जुटाने की लागत, प्रारक्षित निधि अपेक्षाओं, बैंकों को अपनी लाभप्रदता बनाये रखने की आवश्यकता जैसे सभी संबद्ध पहलुओं को ध्यान में रखते हुये किया जाता है । नीचे दी गई सारणी में पिछले 3 वर्षों की उधार दर संरचना दी उई है :-

सीमा का आकार	प्रतिशत वार्षिक से प्रभावी		
	9-10-91	22-4-92	24-6-93
(I) 7500 रुपये तक	11.5	11.5	12.0
(II) 7500 रुपये अधिक और 15000 रुपये तक	13.0	13.5	12.0
(III) 15000 रुपये से अधिक और 25000 रुपये तक	13.5	13.5	12.0
(IV) 25000 रुपये से अधिक और 50000 रुपये तक	14.0	15.0	15.0
(V) 50000 रुपये से अधिक और 2 लाख रुपये तक	15.0	15.0	15.0
(VI) 2 लाख रुपये से अधिक	15.0	15.0	15.0 (न्यूनतम)
विभेदी ब्याज दर अग्रिम	4.0	4.0	4.0

(घ) निधियों की लागत और प्रारक्षित निधि अपेक्षाओं को देखते हुए अनुसूचित वाणिज्यक बैंकों के लिए निर्धारित वर्तमान उधार दर संरचना को उपयुक्त समझा जाता है ।